लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों को संबोधित किया

जनता हमारे संविधान के केंद्र में हैं: श्री बिरला

हमारे संविधान ने हमारी विविधताओं के बावजूद हमारे लोकतंत्र को मजबूत किया है: श्री बिरला

लोक सभा अध्यक्ष के ऐतिहासिक दौरे से लद्दाख में लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होंगी : श्री माथुर, उपराज्यपाल

लेह, 28 अगस्त, 2021: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज "सेलिब्रेटिंग डेमोक्रेसी"(लोकतंत्र का उत्सव) कार्यक्रम के तहत परिषद सचिवालय के असेंबली हॉल में लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (एलएएचडीसी), लेह के पदाधिकारियों और सदस्यों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र के उपराज्यपाल, श्री राधा कृष्ण माथुर; लद्दाख से संसद सदस्य, श्री जामयांग त्सेरिंग नामग्याल; एलएएचडीसी, लेह के अध्यक्ष,, श्री ताशी ग्यालसन; और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए।

अपने संबोधन में, श्री बिरला ने कहा कि भारत स्वतंत्रता के 75वें वर्ष पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, इसलिए लोकतांत्रिक संस्थाओं , जिनमें जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोग भी शामिल हैं, को हमारे लोकतंत्र को और अधिक जीवंत और मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं समय के साथ मजबूत हुई हैं और उत्तरोत्तर निर्वाचित सरकारों ने इसमें अपनी भूमिका निभाई है, इस बात पर जोर देते हुए कि जनता ही हमारे संविधान के केंद्र में हैं, श्री बिरला ने कहा कि हमारे संविधान ने हमारी विविधताओं के बावजूद हमारे लोकतंत्र को मजबूत किया है। श्री बिरला ने कहा कि भारत में बहुत विकास हुआ है परंतु अन्य कई देशों के विपरीत, भारत में कभी भी एक निर्वाचित सरकार से दूसरी सरकार को सत्ता हस्तांतरण के क्रम में अस्थिरता नहीं आई।

श्री बिरला ने कोविड-19 का मुकाबला करने में भारत की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे सामूहिक प्रयास और प्रतिबद्धता से इस वायरस से लड़ना संभव हुआ। जहां कई विकसित देशों को कोविड की रोकथाम में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, वहीं भारत में इस महामारी को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया गया।

श्री बिरला ने आगे कहा कि हमारे गांवों में अपार संभावनाएं हैं और उन्हें आत्मानिर्भर बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने स्थानीय प्रतिनिधियों से गांवों के विकास और प्रगति के कार्य में शामिल होने की अपील की ताकि विकास का लाभ सभी व्यक्तियों तक पहुंचे।

श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि निकट भविष्य में लद्दाख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा और यह संघ राज्य क्षेत्र अपनी संस्कृति और पहचान से समझौता किए बिना फले-फूलेगा।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, लद्दाख के उपराज्यपाल, श्री आर.के. माथुर ने जमीनी संस्थाओं को मजबूत और अधिक विकासोन्मुखी बनाने के मामले में की गई प्रगति के बारे में बताया। श्री माथुर ने कहा कि सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी से लद्दाख तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि लोक सभा अध्यक्ष की ऐतिहासिक यात्रा से लद्दाख में लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होंगी।

लद्दाख से सांसद, श्री जामयांग त्सेरिंग नामग्याल ने श्री बिरला का स्वागत किया और लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र में पंचायती राज संस्थानों को सशक्त बनाने की उनकी पहल के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद के अध्यक्ष, श्री ताशी ग्यालसन ने स्वागत भाषण दिया। लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद के उपाध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इससे पूर्व श्री बिरला ने पैंगोंग त्सो झील का दौरा किया और वहां की पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों से बातचीत की। श्री बिरला ने कहा कि लद्दाख के स्थानीय लोगों और रक्षा कर्मियों के बीच एक अनूठा संबंध है जिससे यह क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों पक्षों के सांसदों ने पैंगोंग त्सो झील और आसपास के इलाकों का दौरा किया है और देश भर से पर्यटक यहाँ आ रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आपसी संपर्क से यह सुंदर क्षेत्र शीघ्र प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा।